**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक:08.10.2024**

**उधम सिंह नगर(उत्तराखंड ) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2024-10-08 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 09/10/2024 | 10/10/2024 | 11/10/2024 | 12/10/2024 | 13/10/2024 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मीमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 33.0 | 33.0 | 32.0 | 32.0 | 31.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 23.0 | 23.0 | 22.0 | 22.0 | 21.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%) | 70 | 70 | 70 | 70 | 70 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%) | 30 | 30 | 30 | 30 | 30 |
| हवा की गति (किमीप्रतिघंटा) | 3 | 4 | 3 | 3 | 4 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 140 | 140 | 320 | 320 | 320 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 |

**समसारांश / चेतावनी:**

पिछले सप्ताह (1 से 7 अक्टूबर) क्षेत्र में वर्षा नहीं हुई तथा अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.0 से 33.9oC और 21.8 से 23.4oC रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 80-95% और 55-67% के बीच रही, जबकि हवा 1.1-2.8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व-दक्षिण, पश्चिम और उत्तर-पश्चिम से चली। पिछले सप्ताह अधिकांश दिन मौसम साफ रहे। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 08-12 अक्टूबर के बीच वर्षा नहीं होगी तथा अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.0-33.0oC और 21.0-23.0oC रहने की उम्मीद है। हवा दक्षिण-पूर्व और उत्तर-पश्चिम से 3-4 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की उम्मीद है

**सामान्य सलाहकार:**

छेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप सेबिज ली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.40-0.60 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। 04.10.2024 से 10.10.2024 के दौरान भारी कमी वाली वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति है।

**लघु संदेश सलाहकार:**

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, शुष्क मौसम की उम्मीद है, इसलिए खेती-किसानी और बुवाई का काम किया जा सकता है। आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | अवस्था | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|---|
| चावल | प्रजनन/ अनाज भरना | चावल के सामान्य कीट यानी ब्राउन प्लांट हॉपर के संक्रमण को रोकने के लिए किसानों को ट्राइफ्लूमेज़ोपाइरिम 10 एससी 235 मिली/ फिप्रोनिल 5 एससी 1000 मिली/ बुप्रोफेज़िन 25 एससी 1 लीटर/ थियामेथोक्साम 25 डब्लूएसजी 100 ग्राम को 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास करना चाहिए। कम संक्रमण की स्थिति में बुप्रोफेज़िन, अधिक संक्रमण की स्थिति में ट्राइफ्लूमेज़ोपायरिम और तना छेदक+ब्राउन प्लांट हॉपर के हमले की स्थिति में फिप्रोनिल 5 एससी का उपयोग करना चाहिए। |
| गन्ना | गन्ना बढ़ाव चरण/ बुवाई | प्रचलित कंडवा रोग को रोकने के लिए किसानों को बुआई के लिए प्रतिरोधी किस्मों और उपचारित गन्ने का उपयोग करने की आवश्यकता है। संक्रमित कमची और उनके समूहों को सावधानीपूर्वक हटा देना चाहिए/ जला देना चाहिए या मिट्टी में दबा देना चाहिए। संक्रमण से बचने के लिए तोड़े हुए गन्ने को खेत में नहीं रखना चाहिए। कुशल फसल चक्र या अरहर के साथ सहफसल लगाने से संक्रमण की तीव्रता को कम किया जा सकता है।<br>शरदकालीन गन्ने की बुआई 15 अक्टूबर तक कर लेनी चाहिए और कार्बेन्डाजिम 50% डब्लू पी के 0.1% घोल में 10 मिनट तक उपचारित गन्ना बीज से करनी चाहिए। शरदकालीन बुआई के लिए गन्ने के डंठल का निचला दो तिहाई भाग प्रयोग किया जाता है। |
| मक्का | परिपक्वता/ तुड़ाई | परिपक्व भुट्टों में उचित कृषि उपायों द्वारा पक्षियों के हमलों से बचें। भुट्टों की तुड़ाई तब करनी चाहिए जब वे पीली पत्तियों से ढके हों। |
| मूंग/उर्द/ सोयाबीन | फली बनना/ परिपक्वता | पकने वाली दलहनी फसल की तदनुसार कटाई की जानी चाहिए और सूखने के लिए रखा जाना चाहिए। |
| अरहर (लाल चना/अरहर) | फली बनना | फलियों में दाना बने पर हल्की सिंचाई करें और कीट/रोग के लिए मुयाना करते रहे। सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए । |
| मूँगफली | खूटियां या फलिया बनना/ परिपक्वता | पेगिंग या फली बनने पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करते हुए मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखनी चाहिए। समय पर बोई गई फसल को खोदकर और सुखाकर भंडारित कर लेना चाहिए। |
| तिल | वनस्पतिक विकास | फाइलोडी फाइटोप्लाज्म के कारण होता है जो पौधों, फूलों और पत्तियों के आकार को गुच्छों में बदल देता है और पौधे के हॉपर द्वारा फैलाया जाता है। फसल की समय पर बुआई, मिथाइल-ओ-डिमेटॉन 25 ई.सी. दवा का 1.0 लीटर/हेक्टेयर का 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव और प्रभावित पौधों को जलाने से इसे रोका जा सकता है। |
| राई एवं तोरिया (लाही) | बुवाई | चावल की कटाई के बाद सरसों की फसल बोनी चाहिए। बुवाई लाइन से लाइन पर 45 सेमी और मेड़ों से 30 सेमी की दूरी पर करनी चाहिए। बुवाई के लिए मेटालैक्सिल 35 डब्ल्यू.एस. 4 ग्राम/किग्रा की दर से उपचारित बीज का उपयोग करना चाहिए। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | अवस्था | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|---|
| फूलगोभी | परिपक्वता/ वानस्पतिक | अगेती किस्मों की तुड़ाई कर उन्हें उपभोग के लिए बाजार में भेजना चाहिए। मध्य किस्मों में यूरिया की टॉप-ड्रेसिंग की जानी चाहिए और निराई, गुड़ाई और सिंचाई जैसी नियमित प्रथाओं की निगरानी की जानी चाहिए। |

| | | |
|---|---|---|
| मूली/ गाजर/ चुकंदर | बुआई/अंकुरण | खेत में मिट्टी की नमी बनाये रखनी चाहिए तथा फसल की नियमित निराई-गुड़ाई एवं विरलीकरण करते रहना चाहिए। |
| पालक/ मेथी | बुआई/अंकुरण | पत्तेदार सब्जियों के लिए बुवाई का यह सबसे अच्छा समय है। पूरे फसल मौसम में 3-4 सिंचाई आवश्यक है और इस अवधि के दौरान मिट्टी में नमी बनाए रखी जानी चाहिए। |
| सिट्रस | फ्रूटिंग | यदि सिट्रस पीला मोज़ेक वायरस के लक्षण दिखाई देते हैं तो संक्रमित टहनियों की छंटाई करें और प्रणालीगत कीटनाशक जैसे इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिली/3 लीटर पानी या थियामिथोक्सेम 25% डब्ल्यूजी 1 ग्राम/3 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। कीट की प्रारंभिक उपस्थिति के दौरान थियामिथोक्सेम का पहला छिड़काव करें और कीट की तीव्रता के स्तर के आधार पर 15-21 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव दोहराएं। |

**पशुपालन विशिष्ट सलाह:**

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय/भैस | गाय/भैसों को प्रजनन से पूर्व विब्रियोसिस-एल-5, आई.वी.आर., बी.वि.डी., पैराइनफ्लुएन्जा आदि के टीके संयुक्त रूप से या अलग-अलग लगवाए। |

**मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:**

| मुर्गी पालन | मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| पोल्ट्री | पोल्ट्री पक्षियों को पशुचिकित्सक की सिफारिश पर कृमिनाशक खुराक दी जानी चाहिए, क्योंकि पोल्ट्री पक्षियों में कृमि अंडे की उत्पादन क्षमता को कम कर देते हैं। |